http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 22

प्रयागराज रविवार 06 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

पीएम मोदी ने किसान सम्मान निधि की 8वीं किस्त जारी, बोले-

जिसको कोई पूछता नहीं था, उसको मोदी पूजता है

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि और पशुपालन से संबंधित कई पहलों का शुभारंभ किया। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त भी जारी की। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी इस अवसर पर मौजूद रहे। अपने संबोधन के शुरूआत में मोदी ने कहा कि नवरात्रि के इस पावन अवसर पर मुझे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी करने का अवसर मिला। महाराष्ट्र की डबल इंजन सरकार यहां के किसानों को दोहरा लाभ दे रही है। पोहरादेवी के आशीर्वाद से मुझे अभी लाड़की बहन योजना की लाभार्थियों की मदद करने का अवसर मिला है, यह योजना नारी शक्ति का सम्मान बढ़ा रही है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ब्रिटिश सरकार ने इस पूरे समुदाय को अपराधी घोषित कर दिया था, लेकिन आजादी के बाद बंजारा समुदाय की देखभाल करना और उन्हें उचित सम्मान देना देश की जिम्मेदारी थी। उस समय कांग्रेस की नीतियों ने इस समुदाय को मुख्यधारा से अलग रखा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जिस परिवार ने कांग्रेस पार्टी को संभाला, उसकी मानसिकता शुरू से ही विदेशी थी। अंग्रेजी सरकार की तरह यह कांग्रेस परिवार भी दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझता। उन्हें लगता है कि भारत पर सिर्फ एक ही परिवार का शासन होना चाहिए, क्योंकि यह अधिकार उन्हें अंग्रेज देकर गए थे।

अपराधियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

● अमेठी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से सीएम योगी आदित्यनाथ ने की मुलाकात

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अमेठी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। सीएम ने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। सीएम योगी के साथ ऊंचाहार विधायक डॉ. मनोज पांडेय भी मौजूद थे। सीएम योगी ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि सरकार इस मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। दोषियों को जल्द से जल्द सजा और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि गुरुवार शाम को शिवरतनगंज इलाके में बेखौफ बदमाशों ने एक शिक्षक, उसकी पत्नी व दो बेटियों की गोली मार कर हत्या कर दी। वारदात के पीछे किसी मुकदमे की रंजिश बताई जा रही है। शिक्षक परिवार रायबरेली जनपद का निवासी है। पुलिस कई पहलुओं पर जांच कर रही है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। जानकारी के मुताबिक रायबरेली के गदागंज थाना क्षेत्र के सुदामापुर निवासी शिक्षक सुनील कुमार (35) पुत्र रामगोपाल अपनी पत्नी पूनम भारती (30), छह साल की बेटी सृष्टि, दो साल की बेटी लाडो के साथ जिले के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र के अहोरवा भवानी कस्बे में मुन्ना अवस्थी के भवन में किराए पर रहते थे। सुनील कुमार तिलोई तहसील क्षेत्र के पन्हौना स्थित कंपोजिट विद्यालय में सहायक अध्यापक थे। बृहस्पतिवार की शाम वह पत्नी व बच्चों के साथ घर में मौजूद थे। तभी कुछ अज्ञात लोगों ने पहुंच कर शिक्षक को निशाना बनाते हुए फायरिंग कर दी। बचाव में पहुंची उनकी पत्नी व दो मासूम बेटियों को भी बदमाशों ने गोली मार दी। वारदात अंजाम देने के बाद हमलावर भाग निकले। इस हत्याकांड में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें लगाई गई है। यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने एक बदमाश को जेवर टोल के पास से धर दबोचा है। एसटीएफ यूनिट ने इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि अभियुक्त चंदन वर्मा को नोएडा यूनिट द्वारा 4 अक्टूबर को जेवर टोल प्लाजा गौतमबुद्ध नगर से गिरफ्तार कर लिया गया।

महिला कांग्रेस से दिसम्बर तक जुड़ेगी 10 लाख महिलाएं : अलका लांबा

नयी दिल्ली, एजेंसी। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने कहा है कि आधी आबादी को हक देना कांग्रेस की प्राथमिकता है जिसके कारण बड़ी संख्या में महिलाएं कांग्रेस से जुड़ रही है और उनका लक्ष्य दिसंबर तक 10 लाख महिला सदस्य बनाना है। श्रीमती लांबा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के स्थापना दिवस पर एक पखवाड़ा पहले उनके संगठन ने महिला सदस्यता बनाने के अभियान की शुरुआत की

थी और अब तक दो लाख से ज्यादा महिलाएं कांग्रेस से जुड़ गई है। इससे उत्साहित होकर उन्होंने दिसंबर तक 10 लाख महिलाओं को कांग्रेस से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उंन्होने कहा, "अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने 15 सितंबर को अपने स्थापना दिवस पर देशव्यापी सदस्यता अभियान की शुरूआत की थी। मुझे बताते हुए खुशी है कि मात्र 20 दिन में देश भर से लगभग दो लाख बहनों ने ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण की। यह सिलसिला देश की आधी आबादी को राजनीति की धारा में शामिल करने के लिए जारी रहेगा।" महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "नारी न्याय के तहत देश की आधी आबादी को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक न्याय देने का हमारा वादा है।

बंगाल में नाबालिग के अपहरण-हत्या पर बवाल, भाजपा का विरोध प्रदर्शन

जॉयनगर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के जॉयनगर में शुक्रवार को एक नौ वर्षीय लड़की की हत्या कर दी गई। शुक्रवार देर रात उसका शव मिला। पुलिस ने आरोपी 18 वर्षीय युवक को गिरफ्तार कर लिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने पहले तो गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने से इनकार कर दिया। 200 लोगों की भीड़ ने महिषमारी पुलिस चौकी में तोड़फोड़ की और आग लगा दी। शनिवार तड़के जब पुलिस शव बरामद करने के लिए गांव पहुंची तो गुस्साए ग्रामीणों ने उनके साथ मारपीट की। हालांकि, इसको लेकर राजनीति तेज हो गई है। भाजपा ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर हो गई है। बीजेपी नेता अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि नौ साल की बच्ची कल ट्यूशन से लौट रही थी, आज उसका शव नहर में मिला। लड़की के परिवार ने पुलिस से मामले में एफआईआर दर्ज करने का आग्रह किया था लेकिन ममता बनर्जी की पुलिस ने इसे दर्ज नहीं किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने उसके शरीर को देखा है उसके शरीर पर उसी तरह की चोटें थीं जैसी अभया के शरीर पर थीं। ऐसे में शव को सुरक्षित रखा जाना चाहिए। पोस्टमार्टम केंद्र सरकार के अधीन अस्पताल में किया जाना चाहिए। भाजपा नेत्री ने कहा कि मैंने लड़की के पिता से बात की और वह इस बात से सहमत हैं कि शव को संरक्षित किया जाना चाहिए। सीएम को जिम्मेदारी लेने की जरूरत है क्योंकि वह आरोपियों को बचाती हैं।श हम आरोपियों को मौत की सजा और मामले की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति गंभीर है। यह चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था काम नहीं कर रही है। वहां हालात ठीक नहीं हैं। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि जयनगर में एक मासूम के साथ हुई।

चिंता का सबब

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मार्गों पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों–घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी।

कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बडियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है।खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निरूसंदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए।

यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमोंध पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती।उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है।

नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षो से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

पेड़ बचाओ-पेड़ लगाओ

विनीत नारायण

पूरी दुनिया भीषण गर्मी से झुलस रही है। हजारों लोग गर्मी की मार से बेहाल हो कर मर चुके हैं। दुनिया के हर कोने से एक ही आवाज उठ रही है, कि पेड़ बचाओ–पेड़ लगाओ। क्योंकि पेड़ ही गर्मी की मार से बचा सकते हैं।

ये हवा में नमी को बढ़ाते हैं और मेघों को आकर्षित करते हैं, जिससे वष्रा होती है। आप दो करोड़ की कार को जब पार्किंग में खड़ा करते हैं तो किसी पेड़ की छांव ढूंढ़ते हैं। क्योंकि बिना छांव के खड़ी आपकी कार दस मिनट में भट्टी की तरह तपने लगती है। इस बार हज में जो एक हजार से ज्यादा लोग अब तक गर्मी से मरे हैं, वे शायद न मरते अगर उन्हें पेड़ों की छाया नसीब हो जाती।

चलो वहां तो रेगिस्तान है पर भारत तो सुजलाम सुफलाम मलयज शीतलाम, शस्यश्यामलाम वाला देश है जिसका वर्णन हमारे शास्त्रों, साहित्य और इतिहास में ही नहीं चित्रकारी और मूर्तिकला में भी परिलक्षित होता है। पर दुर्भाग्य देखिए कि आज भारत भूमि तेजी से वृक्षविहीन हो रही है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि तमाम प्रयासों के बावजूद भारत का हरित आवरण भूभाग का कुल 24.56 प्रतिशत ही है। ये सरकारी आंकड़े हैं, जमीनी हकीकत आप खुद जानते हैं। अगर हवाई जहाज से आप भारत के ऊपर उड़ें तो आपको सैकड़ों मीलों तक धूल भरी आंधियां और सूखी जमीन नजर आती है। पर्यावरण की दृष्टि से कुल भूभाग का 34 फीसद अगर हरित आवरण हो तो हमारा जीवन सुरक्षित रह सकता है।

भवन निर्माताओं की अंधी दौड़, बढ़ता शहरीकरण और औद्योगीकरण, आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए बड़ी–बड़ी परियोजनाएं, जंगलों के कटान के लिए जिम्मेदार हैं। मानवशास्त्र विज्ञान ने यह सिद्ध किया है कि पर्यावरण की सुरक्षा का सबसे बड़ा काम जनजातीय लोग करते हैं। वे कभी गीले पेड़ नहीं काटते, हमेशा सूखी लकड़ियां ही चुनते हैं। वृक्षों की पूजा करते हैं। पर जब खान माफिया या बड़ी परियोजना की गिद्धदृष्टि वनों पर पड़ती है तो वन ही नहीं, वन्य जीवन भी कुछ महीनों में नष्ट हो जाता है। पर्यावरण की रक्षा के लिए बने कानून और अदालतें केवल कागजों पर दिखाई देते हैं। सनातन ध र्म सदा से प्रकृति की पूजा करता आया है। चिंता की बात यह है कि आज सनातन धर्म के नाम पर ही पर्यावरण का विनाश हो रहा है। समाचार पत्रों से सूचना मिली है कि कांवड़ियों के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक विशिष्ट मार्ग का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए 33 हजार वृक्षों को काटा जाएगा। इससे पर्यावरणवादियों को ही नहीं, आम जन को भी बहुत चिंता है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि गाजियाबाद, मेरठ और मुजफ्फरनगर में फैली 111 किलोमीटर लंबी कांवड़ मार्ग परियोजना के लिए 33 हजार से अधिक पूर्ण विकसित पेड़ों और लगभग 80 हजार पौधों को काटा जाएगा। गौरतलब है कि इस परियोजना में 10 बड़े पुल, 27 छोटे पुल और एक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण शामिल है और इस परियोजना की लागत 658 करोड़ रु पये होगी। सोचने वाली बात है कि इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटने की योजना ऐसे समय में आई है जब भारत के कई राज्य कई हफ्तों से भीषण गर्मी की चपेट में हैं। भीषण तापमान ने 200 से अधिक लोगों की जान ले ली है।उल्लेखनीय है कि केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय द्वारा पहले यूपी सरकार को तीन जिलों में परियोजना के लिए कुल 1,10,000 पेड़–पौधों को काटने की अनुमति देने के बाद नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने मामले का स्वतरू संज्ञान लिया है। इस मामले की अगली सुनवाई जुलाई, 2024 के लिए निध ारित की गई है और एनजीटी ने यूपी सरकार से परियोजना का विस्तृत विवरण मांगा है, जिसमें काटे जाने वाले पेड़ों का विवरण भी शामिल है। हजारों पेड़ों की इस कदर निर्मम कटाई से क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। तापमान में वृद्धि जारी रहेगी, बारिश का पैटर्न भी बाधित होगा और हवा और भी जहरीली हो जाएगी। हमें विकास और पारिस्थितिक संरक्षण के बीच संतुलन बनाना होगा। परियोजना की पर्यावरणीय लागत की भरपाई के लिए यूपी सरकार ने ललितपुर जिले में वनीकरण के लिए 222 हेक्टेयर भूमि की चिन्हित की है, जो इस क्षेत्र से, जहां से पेड़ काटे जाएंगे काफी दूर है। क्या यह वनीकरण, कांवड़ यात्रा मार्ग पर शुरू होने जा रही परियोजना की लागत के अनुरूप मुआवजा होगा?

कुछ वन्य प्रेमी संस्थाओं ने इसका विरोध करते हुए एक ऑनलाइन याचिका भी दायर की है, जिसे हजारों लोगों का समर्थन मिल रहा है। पुरानी कहावत है कि विज्ञान की हर प्रगति प्रकृति के सामने बौनी होती है। प्रकृति एक सीमा तक मानव के अत्याचारों को सहती है पर जब उसकी सहनशीलता का अतिक्रमण हो जाता है तो वह अपना रौद्र रूप दिखा देती है। 2013 में केदारनाथ में बादल फटने के बाद उत्तराखंड में हुई भयावह तबाही और जान–माल की हानि से प्रदेश और देश की सरकार ने कुछ नहीं सीखा। आज भी वहां और अन्य प्रांतों के पहाड़ों पर तबाही का तांडव जारी है। चिंता की बात यह है कि हमारे नीति निर्धारक और सत्ताध ीश इन त्रासदियों के बाद भी पहाड़ों पर इस तरह के विनाशकारी निर्माण को पूरी तरह प्रतिबंधित करने को तैयार नहीं हैं। वे आज भी समस्या के समाधान के लिए जांच समितियां या अध्ययन दल गठन करने से ही अपने कर्त्तव्य की पूर्ति मान लेते हैं। परिणाम होता है ढाक के वही तीन पात। खमियाजा भुगतना पड़ता है देश की जनता और देश के पर्यावरण को।

हाल के हफ्तों में और उससे पहले उत्तराखंड की तबाही के दिल दहलाने वाले वीडियो टीवी समाचारों में देख कर आप और हम भले ही कांप उठे हों पर शायद सत्ताधीशों की सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। अगर पड़ता है तो वे अपनी सोच और नीतियों में आमूलचूल परिवर्तन कर भारत माता के मुकुट स्वरूप हिमालय पर्वत श्रृंखला पर विकास के नाम पर चल रहे इस दानवीय विनाश को अविलंब रोकें।

योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया

योग एक अति प्राचीन कला है जिसकी उत्पत्ति भारत में लगभग 6000 साल पहले हुई थी।योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के युज धातु से हुई है, जिसके दो अर्थ हैं दृ एक अर्थ हैय जोड़ना और दूसरा अर्थ है दृ अनुशासन। ऐसा माना जाता है कि योग की उत्त्पति ब्रह्माण्ड में मानव जीवन की उत्पत्ति के पूर्व हुई है।योग का जन्म धर्म एवं आस्था के जन्म से पूर्व हुआ है क्योंकि सर्वप्रथम योग गुरु भगवान शिव को माना जाता है। भगवान शिव को आदियोगी भी कहते हैं।कई हजार वर्ष पहले, हिमालय में कांति सरोवर झील के तटों पर आदि योगी ने अपने प्रबुद्ध ज्ञान को अपने प्रसिद्ध सप्तऋषि को प्रदान किया था। सप्तऋषियों ने योग को पूरे विश्व में यथारूप में फैलाया। महर्षि अगस्त ने विशेष रूप से भारतीय उपमहाद्वीप का दौरा कर इस महाद्वीप में योग संस्कृति की उत्पत्ति की आधारशिला रखी। सिंधु घाटी सभ्यता में कई मूर्तियां और जीवाश्मों के अध्ययन से यह सिद्ध होता है कि योग सिंधु घाटी सभ्यता के लोगो के जीवनशैली का महत्वपूर्ण अंग था।हिन्दू ,बौद्ध और जैन समाज की प्राचीन परंपराओं , दर्शन शास्त्रों,वेदों, उपनिषद्, रामायण, महाभारत एवं पवित्र श्रीमद् भगवत गीता में योग का उल्लेख भारत में योग के प्राचीन काल से विद्यमान होने के प्रयाप्त साक्ष्य प्रस्तुत करते हैं।प्राचीन काल में योग करने के काफी कठिन नियम होते थे। सामान्यतरू लोग गृहस्तजीवन त्याग कर वनो में कठिन योग क्रियाएं करते थे ।परंतु समय के साथ ही योग की जटिलताओं को अनेक ऋषियों ने सामान्य करने का प्रयास किया है।परंतु महर्षि पतंजलि इस क्रम में एक अलग ही ख्याति अर्जित करने में सफल हुए क्योंकि महर्षि पतंजलि ने योग की जटिलताओं को एक सूत्र में पिरोया जिसे हम पतंजलि योगसूत्र के नाम से जानते है। वर्तमान काल में भी पतंजलि योगसूत्र से व्यक्ति सामान्यतरू परिचित है। इस सूत्र को अष्टांग योग के नाम से भी जानते है जो कि यम,नियम,आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा,ध्यान , समाधि से मिलकर बना है।20 वीं सदी के अंतिम चरण से वर्तमान 21 वीं सदी तक आसन एवं प्राणायाम मुख्य रूप से प्रचलन में हैं।

योग सूत्र के प्रणेता महर्षि पतंजलि ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है – श्योगश्चित्तवृत्तिनिरोधरूच अर्थात् चित्त की वृत्तियों का निरोध करना ही योग है। चित्त का तात्पर्य, अन्तरूकरण से है।

वहीं,महर्षि याज्ञवल्क्य ने योग को परिभाषित करते हुए कहा है– श्संयोग योग इत्युक्तो जीवात्मपरमात्मनो।च अर्थात जीवात्मा व परमात्मा के संयोग की अवस्था का नाम ही योग है

श्रीमद्भगवद्गीता में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कुछ इस प्रकार से परिभाषित किया है। योगस्थरू कुरू कर्माणि संगं त्यक्त्वा धनंजयरू। सिद्धयसिद्धयोरू समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।। अर्थात् – हे धनंजय! तू आसक्ति त्यागकर समत्व भाव से कार्य कर। सिद्धि और असिद्धि में समता–बुद्धि से कार्य करना ही योग हैं।योगरू कर्मसुकौशलम्।। अर्थात् कर्मो में कुशलता में कुशलता ही योग है

लिंग पुराण मे महर्षि व्यास ने कहा है कि –सर्वार्थ विषय प्राप्तिरात्मनो योग उच्यते। अर्थात् आत्मा को समस्त विषयो की प्राप्ति होना योग कहा जाता है।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

अब असंगठित क्षेत्र के मुलाजिमों को भी मिले सुरक्षा

आर.के. सिन्हा

सरकार ने हाल ही में एकीकृत पेंशन योजना यानी यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लागू करने की अंततः घोषणा कर ही दी। यह प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो देश भर में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा करती है। नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिल सकेगी। 25 वर्ष से कम और 10 साल से ज्यादा की सेवा पर उसके अनुपात में भी पेंशन मिलेगी। किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा।दरअसल नई पेंशन योजना के लागू होने से सरकारी बाबुओं को बहुत बड़ी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता मिलेगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की नई पेंशन योजना (एनपीएस) में सुधार की लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2023 में टीवी सोमनाथन के नेतृत्व में इस पर एक समिति का गठन भी किया था। जेसीएम (संयुक्त सलाहकार तंत्र) सहित व्यापक परामर्श और चर्चा के बाद समिति ने एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की थी।

भारत में, वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह न केवल कर्मचारियों को काम करने के बाद जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि य सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बाकी जीवन परिवार और समाज में , यहाँ तक कि अपने बच्चों की नजर सम्मानपूर्वक बिताने का जरिया देता है ।जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तो उनके आमदनी का स्रोत अचानक खत्म हो जाता है। पेंशन, भले ही सेवा के दौरान प्राप्त होने वाली आय से आधी हो , एक नियमित आय तो प्रदान करता ही है, जो उन्हें आवश्यक खर्च जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवा, और आवास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराता है। इससे वित्तीय अनिश्चितता के खतरे को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2004 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की थी। उसमें कर्मचारियों और सरकार दोनों ने कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 10: योगदान सेवानिवृत्ति निधि में दान किया। इस फंड को बाजार–जुड़े साधनों के मिश्रण में निवेश किया गया था, और रिटर्न में प्राप्त आय से पेंशन राशि का निर्धारण किया। हालाँकि , इस प्रणाली ने बहुत आवश्यक वित्तीय अनुशासन भी लाया और सरकार की बिना फंड वाली पेंशन देनदारियों को कम किया। लेकिन , उसने सेवानिवृत्त लोगों के लिए अनिश्चितता भी पैदा की, क्योंकि पेंशन बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर थी। उदाहरण के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, सेवानिवृत्त लोगों ने कम रिटर्न देखा, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ीं। एक बात जान लें कि नई पेंशन का राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा यदि कोई राज्य सरकार इसे लागू करना चाहती हैं तो।

कांग्रेस का एनपीएस पर रुख सदैव अस्पष्ट रहा और लगातार बदलता भी रहा। शुरू में, कांग्रेस ने एनपीएस की सराहना की। पूर्व प्रध

ानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे एक बेहतर पेंशन मॉडल बताया। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने इसकी कमियां निकालनी शुरू कर दीं , मात्र अपने सियासी स्वार्थों के कारण। पुरानी पेंशन योजना को खत्म करने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा था। केंद्र से लेकर राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाने की मांग करते ही रहे थे। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उन्होंने पुरानी पेंशन को लागू किया था, जोकि आज तक लागू है। हिमाचल प्रदेश में भी पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जा चुका है। अब एकीकृत पेंशन योजना पर मोहर लग गई है।एकीकृत पेंशन योजना की सबसे बड़ी खूबी यही है कि इसमें पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस और राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) की खासियतों को शामिल किया गया है। ओपीएस की तरह यूपीएस में भी निश्चित पेंशन सुनिश्चित की जा रही है और यही मांग कर्मचारियों की लगातार रही है। यूपीएस प्रति माह 10 हजार रुपए की न्यूनतम पेंशन गारंटी पेश देती है।यूपीएस से लाखों सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। वर्ना जिन लोगों को किसी तरह की पेंशन रिटायरमेंट के बाद नहीं मिलती है, उन्हें बहुत कष्ट और जलील की जिंदगी झेलना पड़ता है। देश के निजी क्षेत्र से जुड़े लाखों–करोड़ों लोगों को हर माह बड़ी मुश्किल से दो–ढाई हजार रुपए ही पेंशन मिलती है। अब आप सोच सकते हैं कि इतनी कम राशि से तो कोई इंसान अपने महीने का चाय–पानी का खर्च भी नहीं निकाल सकता है। मेरे बहुत सारे पत्रकार मित्रों को रिटायर होने के बाद मात्र दो–तीन हजार रुपए मिलते हैं पेंशन के रूप में। यही हाल अन्य विभागों से जुड़े रिटायर कर्मियों का भी है।नई पेंशन योजना प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का एक अहम फैसला मानी जाएगी। इसका लक्ष्य सरकारी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देना है। इस तरह की नीति कोई दूरदर्शी नेतृत्व ही ला सकता है। यह एक ऐसी योजना है जो पिछली पेंशन योजनाओं की सारी अच्छी बातों का निचोड़ है।सवाल पूछा जा रहा है कि क्या सरकरी कर्मियों को रिटायर होने पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का भी लाभ मिलेगा? इस सवाल का जवाब यह है कि कर्मियों को सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के अतिरिक्त एकमुश्त भुगतान का लाभ भी मिलेगा। सेवानिवृत कर्मियों के पास वित्तीय सुरक्षा होने का अर्थ है कि वे अपने परिवारों की देखभाल करने, बच्चों की शिक्षा में योगदान देने, और अर्थव्यवस्था को समर्थन देने के लिए अधिक संसाध न रख सकते हैं। यह बुढ़ापे में आश्रित होने के बजाय स्वतंत्र जीवन जीने में मदद करता है।एक स्थिर पेंशन प्रणाली कर्मचारियों को अपनी नौकरी के प्रति अधिक प्रतिबद्धता और निष्ठा पैदा करती है। उन्हें लगता है कि रिटायर होने के बाद उन्हें वित्तीय सुरक्षा मिलेगी, इसलिए वे अपनी नौकरी में अधिक ध्यान केन्द्रित करते हैं। एक बात यह भी है कि पेंशन योजनाएं आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा देती हैं। निवेश योजनाओं में पेंशन फंडों के निवेश से आर्थिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं, और देश की समग्र आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।भले ही पेंशन के कई लाभ हैं, भारत में अभी भी कई चुनौतियां हैं। भारत के असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले अनगिनत मेहनतकशों को कोई पेंशन नहीं मिलती। इनकी कुल संख्या सरकारी कर्मचारियों की संख्या से कई गुना ज्यादा है और उनकी आय भी कम और अनिश्चित है । आखिर, वे भी तो भारतीय नागरिक ही हैं। सरकार को इनके बारे में भी गम्भीरतापूर्वक सोचने की आवश्यकता है ।

भोलानाथ के लेखन में उनकी पत्नी का खास योगदान है

'स्व हीरामनी देवी की स्मृति में कवि सम्मेलन आयोजित

मीरजापुर(आरएनएस)। हिन्दी श्री साहित्य संस्थान के सौजन्य से स्व श्रीमती हीरामनी देवी की स्मृति में शहीद उद्यान नारघाट में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि श्रीमती हीरामनी देवी वरिष्ठ साहित्यकार भोलानाथ कुशवाहा की धर्मपत्नी थी जिनका निधन गत 6 अगस्त 24 को हो गया था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि केबी पीजी कालेज की हिन्दी विभाग की पूर्व अध्यक्ष प्रो रेनूरानी सिंह थी। वरिष्ठ साहित्यकार गणेश गम्भीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का प्रारम्भ पूर्व विधायक भगवती चौधरी द्वारा श्रीमती हीरामनी देवी के चित्र पर पुष्पांजलि से हुआ। तत्पश्चात मुख्य अतिथि, अध्यक्ष व मंचासीन अतिथियों के साथ परिवार के लोगों सर्वश्री ज्ञानदास मौर्य, सावित्री देवी, दिनेश मौर्य, शशि मौर्य, आशीष मौर्य, अंजली मौर्य, संजय मौर्य, साधना मौर्य, सान्वी मौर्य आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। अपने वक्तव्य में मुख्य अतिथि प्रो रेनूरानी सिंह ने पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए कहा कि हीरामनी देवी ने एक कुशल गृहणी के रूप में सहयोग कर कुशवाहा जी को पत्रकारिता के साथ साहित्य लेखन के लिए प्रेरित किया।उनके लेखन में उनकी पत्नीका विशेष योगदान रहा है। गणेश गम्भीर ने कहा कि इनकी पत्नी कवि गोष्ठियों में बहुत आत्मीयता के साथ अतिथि सत्कार करती थीं। लल्लू तिवारी ने कहा कि निधन से कुछ दिन पूर्व घंटाघर चौराहे के समीप मिलीं थी और कहा कि आज

मिल ल, कौनों दिन धीरे से निकल जाब तब खोजब। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द अवस्थी ने कुशलता से किया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूजा यादव की सरस्वती वन्दना से हुआ। काव्य पाठ करने वाले कवियों में सर्वश्री गणेश गम्भीर, लल्लू तिवारी, भोलानाथ कुशवाहा, अरविन्द अवस्थी, संदीप बालाजी, प्रतिमा शर्मा पुष्प, चंद्रकांत भ्रमर, केदार नाथ सविता, मुहिब मिर्जापुरी, श्याम अचल, जगदीश पांडेय, कुलभूषण पाठक, शिव प्रसाद द्विवेदी,नंदलाल सिंह चंचल ,त्रियोगी मिट्ठू , खुर्शीद भारती, आनन्द अमित, लालव्रत सिंह सुगम, नंदिनी वर्मा, इला जायसवाल, पूजा यादव, प्रमोद चंद्र गुप्त, नारायण जी उपाध्याय, विजय गुप्ता जी, मयंक प्रजापति, इरफान कुरैशी आदि थे। वरिष्ठ शायर जफर मिर्जापुरी की गजल को पढ़कर सुनाया गया। इस कार्यक्रम में शामिल विशिष्ट लोगों में सर्वश्री राजपति ओझा, सुनील कुमार पांडेय, आनन्द केशरी, अमरनाथ सिंह आदि थे।

नवरात्र मेला–2024 के लिए डीएम एसपी ने की बैठक

मीरजापुर(आरएनएस)। शारदीय नवरात्र मेला–2024 को सकुशल एवं निर्बाध रूप से सम्पन्न करायें जाने के दृष्टिगत

जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन द्वारा विन्ध्याचल स्थित प्रशासनिक भवन में सुरक्षा एवं व्यवस्था प्रबन्धन की तैयारियों के सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित अधिकारीगण एवं विभागाध्यक्षगण के साथ गोष्ठी की गयी। इस दौरान विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर मां विन्ध्यवासनी मन्दिर दर्शन–पूजन करने व मेला क्षेत्र में आने वाले दर्शनार्थियों की सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात प्रबन्धन एवं अन्य तैयारियों को सुदृढ़ बनाने हेतु सम्बन्धित अधिकारीगण को आवश्यक दिशा–निर्देश दिया गया। समीक्षा बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन, अपर जिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर, यातायात प्रभारी, मेला प्रभारी सहित पुलिस, प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

विंध्य कलाकार मंच की बैठक 28 को

मीरजापुर(आरएनएस)। विन्ध्य कलाकार मंच ट्रस्ट की बैठक प्रबन्धक जय सिंह पाल के आवास पर हुई। जिसमें विन्ध्य कलाकार मंच ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश मौर्या ने प्रस्ताव रखा गया कि 28 सितम्बर 2024 दिन शनिवार समय सायं 5 बजे स्थान गुरू नानक इण्टर कालेज के सामने भागवत पाल के घर के बगल में होना सुनिश्चित हुआ है।मंच के सचिव लोक गायक शिवलाल गुप्ता ने बैठक का संचालन किया। बताया कि मिर्जापुर की विलुप्त कजरी को संरक्षण एवं संवर्धन हेतु अपने जनपद और जनपद के बाहर के कलाकारो को आमंत्रित किया गया है।बैठक में राम नारायण यादव, सुरेश मौर्या, श्याम प्रजापति, रवि शंकर प्रजापति, विजय शंकर प्रजापति सभासद, हुकुम चन्द्र मौर्या सभासद, आनन्द त्रिपाठी रहे।

योजनाओं के लाभो का किया गया सजीव प्रसारण

दुद्धी,सोनभद्र। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय भारत व उ०प्र० कौशल विकास मिशन लखनऊ द्वारा संचालित प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर जनपद सोनभद्र के नोडल राजकीय आई०टी०आई० दुद्धी–प्रशिक्षण केन्द्र प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत शुक्रवार को पी०एम० विश्वकर्मा प्रगति का 01 वर्ष के योजनाओं के लाभो का सजीव प्रसारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वतंत्र देव सिंह, कैबिनेट मंत्री जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सर्वप्रथम पर्यावरण संतुलन एवं वृक्ष ही हमारे मित्र है की भावना से पौधरोपण किया गया तत्पश्चात टाटा टैक्नोलॉजी लि० के सहयोग से निर्मित आधुनिक कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन किया गया व माँ सरस्वती देवी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर पी०एम० विश्वकर्मा लाभार्थियों द्वारा स्वनिर्मित जॉब एवं प्रजेन्टेशन की प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। नोडल प्रधानाचार्य रविन्द्र पटेल द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के प्रथम वर्षगांठ के अवसर पर अवगत कराया कि राजकीय आई०टी०आई० दुद्धी–प्रशिक्षण केन्द्र पर व्यवसाय दर्जी, बढ़ई, राजमिस्त्री, लोहार, मालाकार, धोबी, सोनार हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र लाभार्थी नजदीकी सहज जन सेवा केन्द्र से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

तहसील दिवस, संपूर्ण समाधान दिवस का संशोधित रोस्टर जारी

कुशीनगर, 20 सितम्बर ((आरएनएस)। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने 24 जून 2024 द्वारा निर्गत रोस्टर को संशोधित करते हुए 21 सितंबर से माह दिसम्बर 2024 तक के सम्पूर्ण समाधान दिवस, तहसील दिवस का रोस्टर जारी किया है। जो प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को प्रात. 10.00 बजे से अपराहन 2.00 बजे तक का संशोधित रोस्टर तैयार कर निर्गत किया गया है। जिसमें नियमानुसार जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी (वि०ध्रा०) द्वारा आयोजित तहसील दिवस की अध्यक्षता की जायेगी तथा शेष तहसीलों में उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील दिवस, सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 21.09.2024 को हाटा में, 05.अक्टूबर को खड्डा में, 19 अक्टूबर को पडरौना, 02 नवंबर को कसया, 16 नवंबर को कप्तानगंज, 07 दिसम्बर को तमकुही राज, तथा 21 दिसम्बर 2024 को तहसील खड्डा में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 की अध्यक्षता में 21 सितंबर को खड्डा में, 05 अक्टूबर को पडरौना में, 19 अक्टूबर को हाटा में, 02 नवम्बर को तमकुहीराज में, 16 नवंबर को खड्डा में, 07 दिसंबर को पडरौना में तथा 21 दिसंबर को तहसील हाटा में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि यदि निर्धारित तहसील दिवस की तिथि को यदि कोई सार्वजनिक अवकाश पडता है तो उस तिथि का तहसील दिवस अगले कार्य दिवस में आयोजित किया जायेगा। जिलाधिकारी ने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उक्त रोस्टर के अनुसार समस्त जनपदीय अधिकारी समय से निर्दिष्ट तहसील के तहसील दिवस में उपस्थित होकर जन सुनवाई तथा शिकायतो का निस्तारण समयबद्धता के साथ सुनिश्चित करेंगें।

बड़े बाबू पर सरकारी अभिलेखों को जलाने का लगा गम्भीर आरोप

सुल्तानपुर। स्वार्थ में अपने कल को बेहतर बनाने के लिए स्कूल का लिपिक (बड़े बाबू) इस हद तक गिर कर मौके की तलाश में जुट गया और मौका मिलते ही कार्यालय में रखें सरकारी पत्रावली को गायब कर उसे जला कर राख कर दिया। स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से होने के बाद सरकारी तंत्र को प्रभावित करने वाला फर्जी नियुक्ति हथियाये बैठे बाबू अपने ही बुने जाल में फंसते नजर आ रहे है।जयसिंहपुर विकासखंड के ग्राम सपाही में स्थित राष्ट्रवादी इंटरमीडिएट कॉलेज की शिक्षा बद से बदतर हो चुकी है। जहां वर्षों से प्रधानाचार्य व प्रवन्धक की खींचातानी में शिक्षक की मौज, तो वहीं दूसरी तरफ तैनात स्कूल के बड़े बाबू यमुना प्रसाद दुबे की दवंगई एक मुख्य कारण बनता जा रहा है। जिसका खुलासा स्कूल के प्रधानाचार्य शीतला प्रसाद तिवारी ने शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश प्रयागराज, व पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर कार्यालय में जमा सरकारी पत्रावली को गायब करने व जला कर नष्ट कर देने की शिकायत मे लिखा है। यही नहीं प्रधानाचार्य शीतला प्रसाद तिवारी ने लिपिक के पद पर तैनात यमुना प्रसाद दुबे द्वारा पत्रावलियों को गायब कर जलाकर नष्ट कर देने के कारण भी स्पष्ट किया है, कि शिक्षा निदेशक माध्यमिक उत्तर प्रदेश प्रयागराज द्वारा 29 अगस्त के आदेश में स्पष्ट है कि माध्यमिक स्कूलों में वर्ष 2003 से वर्ष 2020 के बीच स्कूलों से नियुक्ति संबंधित नामों की सूची मांगी है। सहायक अध्यापक एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की नियुक्ति में हुई गड़बड़ी को लेकर कहा है कि प्रबंध कमेटी द्वारा प्रदेश में 40,000 हजार नियुक्ति में चयन गठित समिति किसके आदेश से गठित की गई है, तथा चयन समिति में कौन–कौन सदस्य थे स्पष्टीकरण मांगा है। इन शिक्षकों व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी की जांच सतर्कता विभाग कर रहा है। उन्होंने कहा कि विभागीय पत्र आने से फर्जी तरीके से नियुक्ति पत्र हासिल करने वाले हैरान व परेशान कार्यालय लिपिक यमुना प्रसाद दूबे की मुश्किले बढ़ गई और अपनी नियुक्ति संबंधित मुश्किलें बढ़ते देख कार्यालय की अलमारी में रखें सरकारी दस्तावेज को गायब कर आग के हवाले कर दिया।

संक्षेप

युवक ने जहर खाकर दी जान

चित्रकूट। अलग–अलग स्थानों में युवक समेत युवती ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने दोनो को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां युवक की मौत हो गई। युवती को उपचार दिया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।पहली घटना पहाड़ी थाना क्षेत्र के अरछा बरेठी गांव की है। बताया गया कि अमित (21) पुत्र मंगल प्रसाद ने शुक्रवार की शाम अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो आनन फानन सीएचसी ले गए। जहां डाक्टर ने प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। शनिवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के पिता ने बताया कि रुपयो को लेकर घर में झगड़ा किया था। चार भाईयों में मृतक दूसरे नंबर का था। मां बोड्डी देवी का रो–रोकर बुरा हाल है।इसके अलावा थाना क्षेत्र के महराजपुर गांव की अंजना (20) पुत्री राजकरन ने अज्ञात कारणों के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। परिजनों ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उपचार चल रहा है।

शराब के साथ तीन गिरफ्तार

चित्रकूट। चौकी प्रभारी शिवरामपुर सत्यमपति त्रिपाठी ने बताया कि आशीष पुत्र शंकरलाल निवासी भंभई को 41 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। इसके अलावा पहाड़ी थाना के एसआई किशन कुमार ने टीम के साथ कृष्ण कुमार पांडेय पुत्र राजाबेटा निवासी अशोह को 13 किंग फिशर बियर के साथ पकड़ा है। सरधुवा थाना के एसआई अरविन्द कुमार पांडेय ने टीम के साथ फूलचन्द्र रैदास पुत्र नथुवा निवासी औदहा को 16 देशी पाउच शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

हत्या मामले में किया प्रदर्शन

चित्रकूट। कासगंज जिले की महिला अधिवक्ता मोहनी तोमर की हत्या के मामले को लेकर अधिवक्ताओं ने शहर में जुलूस निकाला। तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया।जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय करवरिया के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने कचहरी परिसर से शनिवार को जुलूस निकाला। तहसील परिसर में प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की। अधिवक्ता सुरेश तिवारी ने कहा कि कासगंज की महिला अधिवक्ता मोहनी तोमार की हत्या कर दी गई है। आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है। अधिवक्ता अमित यादव ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ संख्त कार्रवाई की जाए। ज्ञापन में मांग की है कि अधिवक्ता की हत्या करने वालों को गिरफ्तार किया जाए। अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए कानून बनाया जाए। मृतक आश्रित परिवार को एक करोड़ रूपये दिए जाए। इस मौके पर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार कंचनी, नीरू गुप्ता, आनंद कुमार मिश्रा, राजकुमार प्रजापति, शिवनरेश सिंह, आशीष कुमार तिवारी, बालकृष्ण पांडेय, मोतीलाल सेन, रामरूप ,आशीष तिवारी आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

चित्रकूट(आरएनएस)। सदर उप जिलाधिकारी पूजा साहू ने शहर के छोटी खटकाना शंकर बाजार गंगा जी रोड से आई महिला फरियादियों की समस्याएं सुनी। शाम को मौके पर जाकर निरीक्षण किया। जहां लगभग 80 परिवार को गंदगी भरे माहौल में देखकर संबंधित अधिकारी के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका को फोन कर शीघ्र साफ सफाई कराने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के किसी भी अधिकारी ने फोन नहीं उठाया। इस दौरान सेवा भारती के जिला महामंत्री राज किशोर शिवहरे ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारी लोगों का फोन नहीं रिसीव करते। अगर फोन उठाया तो डांट डपटकर रख देते हैं। इस पर एसडीएम ने विद्युत विभाग के अधिकारियों से बात कर 20 दिन से बंद आपूर्ति को अतिशीघ्र चालू कराने का आश्वासन दिया है।

भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ संगठित होकर आवाज उठाना होगा–श्यामलाल

लम्भुआ, सुलतानपुर (आरएनएस)। मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में विकास खण्ड लम्भुआ के महमूदपुर गांव में मनदीप कनौजिया के नेतृत्व व ओम प्रकाश के संरक्षण में शिक्षा जागरूकताध्मोस्ट बहुजन जोड़ो सम्मेलन हुआ। निदेशक शिक्षक श्यामलाल "गुरूजी" ने कहा कि जब सेवा–सुरक्षा और कर्तव्य पालन के लिए नियुक्त लोक सेवक जनता के हित में काम करने के बजाय शोषणकर्ताओं–अत्याचारियों के पक्ष में काम करने लगे और आपके द्वारा चुने गए प्रतिनिधि भी मौन साध लें तो ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ शोषितों–पीड़ितों–हक वंचितों को संगठित होकर आवाज उठाने के लिए आगे आना होगा। इस मौके पर मोस्ट प्रदेश प्रमुख जीशान अहमद, ब्लाक संयोजक डा. विनोद निषाद, अमन गौतम, भोला निषाद, प्रिंस कुमार, शनि, हिमांश, छोटेलाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

फरियादियों की सुनी समस्या

सोनभद्र(आरएनएस)। जनसुनवाई में शुक्रवार को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएंश्किायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। एसपी द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाईध्महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ितधशिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालयध्थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

जमीनी विवाद को लेकर चली गोली

बल्दीरायध्सुलतानपुर(आरएनएस)। थाना क्षेत्र बल्दीराय के लंगड़ी गांव में मंगलवार की रात को जमीनी विवाद को लेकर एक पक्ष के लोगो ने यूवक को गोली मार दी घायल यूवक को परिजनो ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बल्दीराय इलाज के लिए ले गये जहां डॉक्टरों ने युवक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मामला थाना क्षेत्र बलदीराय के ग्राम लंगडी बाजार का है जहां नरसिंह मिश्र और शील निधान के बीच कई वर्षो से जमीनी विवाद चल रहा है इसी विवाद के चलते दोनो पक्षो में हमेशा तनातनी रहती है। मंगलवार की देर रात नरसिंह अपने घर के बाहर जैसे ही निकला वैसे ही पहले से ही मौजूद हमलावरो ने उस पर फायरिंग कर दी। नरसिंह भागना चाहा लेकिन गोली उसके पैर में लग गई शोर मचाने पर हमलावर फरार हो गए। परिजनों ने डायल 112 तथा स्थानीय थाने पर घटना की सूचना तत्काल दी, परिजन घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बल्दीराय ले गए।

आईजीआरएस पर हुई शिकायतों के निस्तारण में बिजली निगम अधिकारी लगा रहें फर्जी रिपोर्ट

बीजपुर(सोनभद्र)(आरएनएस)बिजली बितरण निगम पिपरी के अधिकारी बेलगाम हो गए हैं। मुख्यमंत्री शिकायती पोर्टल के आईजीआरयस पर ग्रामीणों द्वारा की गयी शिकायतों को गम्भीरता से न लेकर फर्जी रिपोर्ट लगाई जा रही है। पूर्वांचल बिजली बितरण निगम का टोल फ्री नम्बर बकवास एंव महज दिखावा बना हुआ है। नधिरा उपकेंद्र से दो महीने में बिजली सप्लाई कुछ चुंनिन्दा गाँवों को छोड़ ग्रामीण अंचल के दुरुह बस्ती में महज सफेद हाथी बना हुआ है।सड़ियल और जर्जर उपकरण के सहारे निगम के अधिकारी और कर्मी बिजली सप्लाई देने में रात दिन हांफ रहे हैं। गाँवों में बगैर कनेक्शन लिए लोग लाइनमैनों से साठ गांठ कर अबैध कनेक्शन के जरिये ओवरलोड़ का बोझ बन गए हैं। फाल्ट दुरुस्त करने के नाम पर तथाकथित कुछ लाइनमैन धन उगाही में ब्यस्त है।

नेमना गांव से विनोद गुप्ता द्वारा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल आईजीआरयस पर जुलाई माह में की गयी शिकायत पर एक्सईएन पिपरी द्वारा शिकायत करता से बगैर सम्पर्क किये फर्जी रिपोर्ट प्रस्तुत कर मामले की इतिश्री कर दिया गया।वहीं जरहा के चेतवा से शिवशंकर द्वारा भी बिजली सप्लाई को लेकर 1912 पर कई बार शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन कुछ नही हुआ।लीलाडेवा ग्राम प्रधान द्वारा पिछले छः महीने से जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने की शिकायत दर्ज कराई गई लेकिन आज तक जेई और उनके कर्मी टाल मटोल करते रहे और आज तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया। बरसात में गिरे तार पोल जमीन पर धूल फांक रहे हैं।बताया जाता है कि जरहा न्याय पंचायत के तेरह गाँवो के 36 टोले में तार पोल तो है लेकिन बिजली के दर्शन कई महीने से नही हुए।

मजेदार बात तो यह है कि विभागीय कर्मी गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों में कही 45 हजार तो कहीं 29 हजार से अधिक के बिजली बिल भेज लोगों का पारा चढ़ा दिया है बिजली बिल देख लोग भौचक हैं। लीलाडेवा गाँव में ऐसे ही लगभग 70 लोगों को फर्जी बिल भेज कर वसूली का दबाव बनाया जा रहा है। गांव में अधिकांश मीटर खराब पडे हैं एक ट्रांसफार्मर भी खराब पड़ा हैं बावजूद बिजली बिल आना बन्द नही हुआ है ग्रामीण कन्हैया दयाशंकर सत्यनारायण कंचन देवी गौरीदेवी हीरालाल मालिक चंद रामसुधार मुन्नलाल बिकास सहित अनेक ने कहा कि हम लोगों के पास खाने को दो जून की रोटी नही हैं इतना बड़ा बिल कहा दे पाएंगे सरकार चाहे जेल में डाल दें लेकिन यहां कुछ नही है।जानकारी के लिए एक्सईएन पिपरी दिलीप कुमार को फोन किया गया लेकिन उन्हों ने फोन नही उठाया जिससे विभागीय पक्ष नही मिल पाया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मलाक नगर विकास खण्ड मूरतगंज कौशाम्बी

पत्रांकः– मेमा/पन्द्रवा/पंचम/एस० बी० एम० फेज–2/मनरेगा/ 2024–25 दिनांकः 06.10.2024

निविदा प्रकाशन

समस्म अधिकृत पंजीकृत फार्म/पंजीकृत विक्रकताओं को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत–मलाक नगर विकास खण्ड–मूरतगंज जिला कौशाम्बी में वित्तीय वर्ष 2024–25 में ग्राम पंचायत के द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज– के अन्तर्गत ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन (मॉडल ग्राम पंचायत) के अन्तर्गत साइकिल रिक्शा/ईरिक्शा. डस्टबिन क्रय प्लास्टिक बैंग क्रय आर०आर०सी० सेन्टर निर्माण हेतु आवश्यक सामग्री तथा सीमेन्ट, बालू, सरिया, ईंट, गिट्टी, पत्थर गिट्टी. टाइल्स, इण्टरलाकिंग ईंट इत्यादि वित्त आयोग, एस०बी०एम०. फेज– (ग्रामीण) की प्राप्त धनराशि के अनुसार पन्द्रहवां वित्त आयोग/पंचम वित्त आयोग/मनरेगा एवं अन्य शासकीय मदों के अन्तर्गत निर्माण कार्य कराने हेतु निर्धारित मानकध गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि निर्माण सामग्री एवं निर्माण कार्य हेतु मोहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फार्म से दिनांक 06.10.2024से दिनांक 12.10.2024 के अपराहन 2 बजे तक निविदा आमंत्रित की जाती है। प्राप्त निविदा/दिनांक 13.10.2024 को के कार्यालय के कार्य दिवस अपराहन 03 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय/सचिवालय में निविदा प्रेषित करने वाले ठेकेदारों के समझ गठित समिति तथा निर्माण समिति तथा अध्यक्ष ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम प्रधान उपस्थिति में की जायेगी। आयकर कटौती एवं जीएसटी का भुगतान विभाग द्वारा निर्धारित दरों के अनुसार किया जायेगा। ग्राम पंचायतो को यह अधिकार होगा की किसी या सभी निविदायें बिना बताये निरस्त कर सकती है। आमंत्रित टेंडर में दर्शायें गये कार्यों को धन की उपलब्धता के अनुयार कराये जाने वाले कार्य करने के आदेश दिये जायेंगे। जिसका विवरण इस प्रकार है–

क्र. सं.	कार्य का नाम	नग/प्रकार	सामग्री की अनुमानित लागत प्रति	सामग्री की अनुमानित धनराशि	निविदा का मूल्य	धरोहर धनराशि	टेंडर स्वीकृति होने के पश्चात जमानत की धनराशि व प्रतिशत	कार्य की अवधि
1	व्यक्तिगत खाद गड्डा	10 नग	5000	50000		0.05		2 माह
2	व्यक्तिगत नाडेंप	2 नग	18000	36000		0.05		2 माह
3	सामुदायिक खाद गड्डा	10 नग	5000	50000		0.05		2 माह
4	सामुदायिक नाडेप	1 नग	18000	18000		0.05		2 माह
5	वर्मी कम्पोस्ट सामुदायिक	1 नग	59000	59000		0.05		2 माह
6	सामुदायिक कचरा पात्र	5 नग	16000	80000		0.05		2 माह
7	ई–रिक्शा	1 नग	150000	150000		0.05		2 माह
8	एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रा.केंद्र	1 नग	310000	310000		0.05		2 माह
9	व्यक्तिगत सोकपिट	8 नग	8000	54000		0.05		2 माह
10	सामुदायिक सोकपिट	5 नग	12000	60000		0.05		2 माह
11	सिल्ट केचर	8 नग	7500	60000		0.05		2 माह
12	फिल्टर चेम्बर	1 नग	48000	48000		0.05		2 माह
13	व्यक्ति लीच पिट	3 नग	6000	18000		0.05		2 माह
14	सामुदायिक लीच पिट	2 नग	10000	20000		0.05		

नियम व शर्तें :–

1. निविदा की धरोहर धनराशि वित्त सिक्योरिटी एन०एफ०सी० अथवा एफ०डी० राष्ट्रीकृत बैंक/डाकघर का हो। तथा ग्राम पंचायत–मलाक नगर वि. खण्ड मूरतगंज जनपद कौशाम्बी के पक्ष में बंधक होगा। प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की टेस्टिंग की रिपोर्ट भुगतान के समय प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

2. उपरोक्त निविदा को 03 बजे अपराहन खोली जायेगी ग्राम निधि में उपलब्ध धनराशि के अनुसार व कार्य का मापांकन होने के उपरान्त ही कार्य का भुगतान किया जायेगा। सामग्री घट बढ़ सकती हैं। प्राक्कलन के अनुसार भुगतान वास्तविक एम0बी0 के अनुसार होगा। जैसा पोर्टल रजिस्टर्ड इच्छुक फर्म विक्रकताओं को प्राथमिकता दी जायेगी।

अजीत प्रताप सिंह
ग्राम सचिव
मलाक नगर, मूरतगंज, कौशाम्बी

लालता प्रसाद
ग्रांम प्रधान
मलाक नगर, मूरतगंज, कौशाम्बी

महप्रबंधक ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खिलाड़ियों को किया सम्मानित

प्रयागराज। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, मंडलों एवं अन्य इकाईयों मे विभिन्न कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में पिछले एक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों और कोचों को उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में आज आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेंद्र चंद्र जोशी के हाथो से सम्मानित होने वालों में उत्तर मध्य रेलवे के एथलीट एजाज अहमद,अखिलेश कुमार – शक्तितोलन,धर्मेन्द्र कुमार निषाद– बैडमिन्टन, रोहित– हॉकी, उदित – कुश्ती , एन.सुमन बाला – भारोत्तोलन , संदीप – कुश्ती , मानसी – एथलेटिक्स ,भावेश पाण्डेय – बैडमिंटन ,दानिश अली एवं श्री राम यादव – क्रिकेट, शिवानी सिंह– बैडमिंटन, धर्मेंद्र यादव – शक्तितोलन शामिल रहे। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे इस समारोह में कार्यक्रम का प्रारंभ में उनकी फोटो पर महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों तथा खिलाड़ियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में आगमन पर महाप्रबंधक का स्वागत पौधा भेंट कर अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर ए के अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर अपने स्वागत संबोधन में अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर ए के अग्रवाल ने उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ की उपलब्धियों और गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसी क्रम में इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़े अनुभव स्वाभाविक रूप से हम सबके लिए प्रेरणास्रोत हैं। सभी उपस्थित खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि, हमारे खिलाड़ी भी हम सबके लिए उत्साह और प्रेरणा का सबब बनते रहते हैं। आज हमारे खिलाड़ियों जिनके प्रदर्शन ने हमें गौरवान्वित किया है हम उनको सम्मानित कर रहे हैं हम आशा करते हैं ना सिर्फ ये बल्कि अन्य जो खिलाड़ी भी इस समारोह में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हैं या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े हैं वो भी इससे प्रेरित होंगे और भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।कार्यक्रम में पावरप्वाइंट प्रस्तुतिकरण एवं धन्यवाद ज्ञापन उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ के महासचिव सर्वेश द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव डॉ अमित मालवीय ने किया। इसी क्रम में आज उत्तर मध्य रेलवे के रेलगांव स्टेडियम में भी विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इसमें क्रॉस कंट्री दौड़ एवं रस्साकशी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्रॉस कंट्री को महाप्रबंधक एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे कल्याण संगठन चेतना जोशी ने हरी झंडी दिखा रवाना किया। यह प्रतियोगिता तीन वर्गों – 35 वर्ष से कम, 35–50 वर्ष एवं 50 वर्ष से अधिक में आयोजित हुई। 35 वर्ष से कम में वीरेंद्र पाल ने प्रथम, 35–50 वर्ष में वसिष्ठ कुमार राय एवं 50 वर्ष से अधिक में शिवाजी कदम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग में श्रीमती गुंजन गर्ग को प्रथम स्थान मिला। रस्साकशी में वाणिज्य विभाग विजेता तथा उपविजेता सुरक्षा विभाग घोषित हुए। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव डॉ अमित मालवीय ने किया।

नवरात्रि मेला में यात्रियों की सुविधा के लिए हुए विशेष इंतजाम

प्रयागराज। मण्डल ने विंध्याचल शारदीय नवरात्रि मेला के दृष्टिगत विंध्याचल स्टेशन पर श्रद्धालुओं व यात्रियों की सुविधा के लिए विभिन्न सुविधाओं के साथ 17 जोड़ी नियमित गाड़ियो के अतिरिक्त 11 जोडी गाड़ियो का ठहराव दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए स्टेशन एरिया में लाइट एवं सीसीटीवी लगाये गये हैं । स्टेशन परिसर की साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, इसके लिए अतिरिक्त स्टाफ लगाया गया है जो निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित कर रहे है।

ड्रोन और AI से हो रही है शहर की सफाई व्यवस्था बेहतर

प्रयागराज। नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग के निर्देशन में आगमी महाकुंभ को देखते हुए शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए ड्रोन और ।ै के माध्यम से शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा रहा है। खासकर नदियों के किनारे निगरानी की जा रही है जहां नॉर्मल कैमरे से नही पहुंचा जा सकता है साथ ही सभी वीआई पी मार्गो,प्रमुख चौराहों, ऐतिहासिक स्थान,आध्यामिक स्थानों के अलावा शहर के सभी जगहों की ड्रोन कैमरे से निगरानी की जाती है जहां भी कमियां पाई जाती है वहां कंट्रोल रूम से कॉल करके जोनल अधिकारियों और खाद्य तथा

सफाई निरीक्षकों आदेशित किया जाता है और तुरंत उसका निस्तारण किया जाता है। नगर निगम ने शहर की सफाई और प्रबंधन की निगरानी के लिए एक अत्याधुनिक सॉलिड वेस्ट कंट्रोल रूम का स्थापना किया है। इस कंट्रोल रूम के माध्यम से डोर–टू–डोर कलेक्शन, सिटी स्वीपिंग,पब्लिक टॉयलेट्स, और सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग की निगरानी की जाती है।इसके साथ ही, AI आधारित मोबाइल कैमरों का उपयोग कर शहर के विभिन्न स्थानों की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए बीट्स का गठन किया गया है, जिनमें सफाई कर्मी तैनात किए गए हैं। खासतौर पर बाजारों और सार्वजनिक स्थलों की रात में सफाई की जाती है। घाटों, पर्यटक स्थलों और धार्मिक स्थलों के लिए विशेष सफाई टीमें बनाई गई हैं, जो इन क्षेत्रों की सफाई की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके साथ ही,मेकेनाइज़्ड स्वीपिंग मशीनें और वाटर स्प्रिंकलर का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे शहर की सड़कों की सफाई की जा रही है और धूल–मिट्टी को नियंत्रित किया जा रहा है। डस्टबिन्स शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाए जा रहे हैं, ताकि लोगों को कचरा फेंकने के लिए उचित सुविधाएं मिल सकें। नगर निगम ने रिफ्यूज़ कॉम्पैक्टर,वटिपर्स और सक्शन मशीनों का भी अधिग्रहण किया है,ताकि कचरा संग्रहण की क्षमता को और बढ़ाया जा सके।

हर योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति को दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध – केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। उपमुख्य मंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अध्यक्षता में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओ को आत्मनिर्भर, स्वावलम्बी बनाने की दिशा में तथा युवा सम्मेलन व ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन पंजाबी आश्रम, शुकतीर्थ विधानसभा मीरापुर , जनपद मुजफ्फरनगर में किया गया। उप मुख्यमंत्री ने ग्राम चौपाल में अपने सम्बोधन में कहा कि केन्द्र व उत्तर प्रदेश में जबसे भाजपा की सरकार आयी, तब से देश व उ0प्र0 में विकास हुआ है, और लगातार विकास हो रहा है। उन्होने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाए जैसे– किसान सम्मान निधि योजना ,महिला सशक्तीकरण , प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना,आयुष्मान कार्ड,कौशल विकास योजना आदि योजनाओ का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थियो को देकर उन्हे लगातार लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होने कहा कि सरकार द्वारा किसी भी व्यक्ति के साथ कोई भेदभाव नही किया जा रहा है,सबको एक समान

अवसर प्रदान किये जा रहे है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री देश को 2047 तक एक विकसित देश बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहें हैं। कहा कि सरकार हर योजना का लाभ हर पात्र व्यक्ति को दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार आपके द्वार पर चौपाल के माध्यम से आपकी समस्या एवं निराकरण के लिये उपस्थित है। केन्द्र व प्रदेश सरकार सबका साथ –सबका विकास के मूल मन्त्र के साथ कार्य कर रही हैं और योजनाओ को धरातल पर लाने का कार्य कर रही है। उन्होने कहा कि सडक निर्माण कार्य को प्रगति व सडको का चौडीकरण किया जा रहा है।

मूर्ति और पंडालों पर ही नहीं बल्कि प्रबंधन पर भी रहेगी कड़ी नजर

प्रयागराज। बंगाली वेलफेयर एसोसिएशन ने दुर्गा पूजा के दौरान मूर्तियों और पंडालों के मूल्यांकन के लिए 14 सदस्यीय चयन समिति बनाई है,जिसके सभी सदस्य ललित कला और कला के विशेषज्ञ हैं,यह जानकारी संस्था के सचिव डॉ. पी.के.रॉय ने दी। मूर्तियों के मूल्यांकन में मूर्ति के भावपूर्ण चेहरे की अभिव्यक्ति,मूर्ति का अनुपात,लय और सौंदर्य की भावना और मूर्ति की भव्यता को प्रमुखता दी जाएगी स संस्था के संयुक्त सचिव अशित कुमार रॉय ने कहा कि संस्था का मानना है कि पंडाल को अंक देने

से पहले संस्था को कुछ महत्व पूर्ण बातों पर ध्यान देना होगा,जिसमें बरवारी के स्वयं सेवकों की तैनाती,श्रद्धालुओं के लिए पेयजल की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे,अग्नि शमन यंत्र,प्रवेश व निकास मार्ग तथा बरवारी की ओर से पंडाल के महिला–पुरुषों के खड़े होने के लिए स्थान आदि शामिल होंगे। चयन समिति में ख्याति प्राप्त कलाकार रवीन्द्र नाथ कुशवाहा,डॉ. कावेरी विज,शेफाली गुप्ता,शालिनी गांगुली,सायोनी भट्टाचार्य,नीतू निषाद,वर्षा श्रीवास्तव,सुनीता गुप्ता,जूही द्विवेदी विजेता प्रजापति,अर्चना पांडेय,मेघा बोस इश्विन श्रीवास्तव तथा सुश्री रेनू सिंह शामिल हैं। यह समिति उन दुर्गा पूजा बारवारियों का निरीक्षण करेगी,जो संस्था में पंजीकृत हैं।

कहां गए झाड़ू लेकर फोटो खिंचवाने वाले नेता, अधिकारी नवरात्र पर सफाई व्यवस्था धड़ाम

प्रयागराज। जिधर देखो उधर फोटो छपास रोगी अधिकारी नेता झाड़ू पकड़ कर फोटो खिंचवाकर साफ सफाई व्यवस्था का दम्भ भर रहे थे लेकिन नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर पालिका परिषद मंझनपुर में सफाई व्यवस्था धड़ाम हो गई है कुछ मोहल्ले में शुक्रवार से ही सफाई बंद है तो कुछ मोहल्ले में शनिवार की सुबह सफाई कर्मी नहीं आया है जिससे पूरे नगर पालिका क्षेत्र में जगह–जगह कूड़े का ढेर लगा हुआ है कई स्थानों पर देवी प्रतिमाएं स्थापित है मंदिरों में भक्तों की भीड़ लग रही है लेकिन देवी प्रतिमाएं स्थापित स्थल और मंदिर के अगल–बगल आसपास कूड़े का ढेर लगा हुआ है नगर पालिका का कहना है कि सफाई कर्मियों ने हड़ताल कर दिया है लेकिन सवाल उठता है कि नवरात्रि पर्व पर ही सफाई कर्मी क्यों हड़ताल करते हैं बीते नवरात्रि पर्व पर भी सफाई कर्मियों ने हड़ताल कर दिया था बीते पर्व पर 3 दिन नगर पालिका क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बंद थी आखिर हिंदुओं की आस्था के नवरात्रि के पावन पर्व पर सफाई व्यवस्था बंद करने के पीछे क्या मनसा है अन्य पर्व त्योहारों पर सफाई

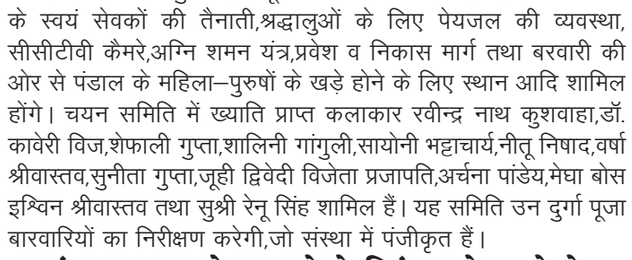

व्यवस्था नहीं बंद होती है अन्य त्योहारों पर तीन दिन पहले से साफ सफाई शुरू कराई जाती है पूरे नगर क्षेत्र में चूना का छिड़काव किया जाता है लेकिन नवरात्रि के पर्व पर साफ सफाई व्यवस्था बंद कर दी गई है चूना का छिड़काव भी नहीं हुआ है अन्य पर्व पर अधिकारी मॉनिटरिंग करते हैं लेकिन नवरात्रि पर्व पर सफाई व्यवस्था बंद हो गई है लेकिन सुबह से शाम हो रही है कोई अधिकारी सड़क पर सफाई व्यवस्था का जायजा लेने नहीं आया झाड़ू पकड़ कर फोटो खिंचवाने वाले नेता और अधिकारी कहीं झाड़ू लेकर सफाई करते नहीं देखे गए हैं जिससे इन अधिकारियों के फोटो छपास रोग का अंदाजा लगाया जा सकता है जिला स्तर से लेकर तहसील ब्लाक नगर स्तर तक के अधिकारी यदि हाथ में झाड़ू लेकर के नगर की सफाई करने के लिए सड़क पर उतर आए तो एक घंटे के अंदर नगर की गली सड़क और मंदिर के आसपास साफ सफाई हो जाएगी और नगर क्षेत्र चकाचक होगा लेकिन झाड़ू पकड़कर साफ सफाई के नाम पर फोटो खिंचवाने वाले अधिकारी नेता नगर की गंदगी को साफ करने के लिए सड़क पर नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से लेकर महात्मा गांधी के जन्मदिन तक साफ सफाई अभियान चलाए जाने का निर्देश सरकार ने दिया था सुबह सफाई कर्मी सफाई कर देता था उसके बाद तब तो तमाम नेता अधिकारी झाड़ू पकड़ कर फोटो खिंचवाते थे और दावा करते थे कि वह सफाई अभियान में शामिल है लेकिन जब वास्तविकता में सफाई कर्मियों ने हड़ताल कर दिया है तो कोई अधिकारी नेता सफाई करने के लिए सड़क पर झाड़ू लेकर सफाई करते नहीं दिखाई पड़ रहा है।

गंगा टाक्स फोर्स द्वारा रक्तदान शिविर।

प्रयागराज। प्रादेशिक सेना के प्लेटिनम जुबिली समारोह के तहत सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के क्रम में, 137 सीईटीएफ

बीएन (टीए) 39 जीआर ने 05 अक्टूबर 2024 को प्रयागराज के न्यू कैंट में अपने यूनिट स्थान पर स्लोगन 'पीपुल लिव व्हेन पीपुल गिव' के साथ एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस रक्तदान शिविर का आयोजन सैन्य अस्पताल, प्रयागराज के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर का आयोजन रक्तदान के महत्व को दर्शाने के लिए किया गया, जो लोगों की जान बचा सकता है, खासकर तब जब जिला डेंगू के खतरे से जूझ रहा हो। शिविर में सेना यूनिट्स के अधिकारियों, ओआर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय प्रयागराज के एनसीसी कैडेटस, गंगा प्रहरियों, प्रयागराज पुलिस कर्मियों और प्रेरित स्वयंसेवकों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

शिक्षा ही आगे बढ़ने का माध्यम – सुमित पंवार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन सदर तहसील क्षेत्र के श्रीराम बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज चिलबिला प्रतापगढ़ में आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित

पंवार ने कहा कि शिक्षा आगे बढ़ने का माध्यम है। सकारात्मक सोच के साथ छोटे–छोटे का लक्ष्य का निर्धारण कर आगे बढ़े। उन्होंने लोगों को बाल अधिकारों पर जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक बच्चे को बाल अधिकार प्रदान किया गया है, बाल अधिकारों के संरक्षण हेतु बाल कल्याण समिति का गठन किया गया है। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए शिक्षा के अधिकार कानून पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डॉ दीपिका केसरवानी द्वारा एनीमिया में रक्त की कमी होने पर लक्षणों पर चर्चा करते हुए बताया कि सांसें फूलना, कमजोरी महसूस होना एवं किसी कार्य में मन ना लगने पर चिकित्सक का परामर्श एवं बचाव हेतु आयरन की गोली ली जा सकती है। उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर पर जानकारी देते हुए बताया कि ब्रेस्ट में गांठ होने की स्थिति में चिकित्सीय परामर्श लें। डाक्टर रिचा पाण्डेय द्वारा सर्वाइकल कैंसर से बचाव के बारे में बालिकाओं को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पीएलवी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राम प्रकाश पाण्डेय द्वारा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1090, आकस्मिक चिकित्सीय सहायता हेतु 108, एवं साइबर अपराधों से बचाव हेतु 1930 के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य लालमणि पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक आनंद केसरवानी,डॉली केसरवानी,शालिनी रावत,नेहा मिश्रा,सीता पाल,प्रमोद सिंह यादव आदि लोग मौजूद रहे।

कार्डधारकों को 25 अक्टूबर तक खाद्यान्न का होगा वितरण

प्रयागराज। जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी ने बताया है कि माह अक्टूबर 2024 के सापेक्ष राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिनांक 05.10..2024 से दिनांक 25.10.2024 तक खाद्यान्न का वितरण ई–पॉस वेइंग मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा किया जायेगा। अन्त्योदय कार्डधारकों में 14 किग्रा0 एवं 21 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों कों निर्धारित पूर्व मात्रानुसार प्रति यूनिट 02 किग्रा0 गेहूँ व 03 किग्रा0 चावल खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण कराया जाना है। खाद्यान्न के निःशुल्क वितरण में पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। विक्रेता अपने उपलब्ध स्टॉक की सीमा तक पोर्टेबिलिटी ट्रान्जेक्शन कर सकेंगे। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न न प्राप्त होने की स्थिति में कार्डधारक मोबाइल ओ0टी0 पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 25.10.2024 को खाद्यान्न प्राप्त कर सकेगें। वितरण के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी,क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों से एवं विभागीय टोल फ्री नम्बर, 1800–1800–150 एवं 1967 पर शिकायत की जा सकती है।

जिलापंचायत अध्यक्ष ने किया षक गोष्ठी का उद्घाटन

प्रयागराज। कृषि विज्ञान केन्द्र परिसर में कृषि विभाग कौशाम्बी व कृषि विभाग उत्तर प्रदेश ने संयुक्त रूप से त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तरीय कृषक गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया,कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कौशाम्बी जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना सोनकर एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य मीनू योगेश साहू द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया,मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि कृषक भाई इस गोष्ठी के द्वारा कृषि से सम्बन्धित नवीनतम तकनीक की जानकारी प्राप्त कर उसे

अपनी खेती में अपनाते हुए लाभ लें,आगे उन्होंने ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ ही साथ राज्य सरकार कृषकों के उत्थान हेतु लगातार प्रतिबद्ध है,इस दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ अजय कुमार ने सभी अतिथियों एवं अधिकारियों का स्वागत पुष्प गुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर किया उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसान को मक्का की खेती से सम्बन्धित नवीनतम तकनीकों और उपायों के बारे में जागरूक करना है,इस कार्यक्रम में उपस्थित कृषि विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को मक्का की उन्नत किस्मों,उर्वरक प्रबंधन, कीटनाशक प्रबंधन,और मक्का की खेती में उच्च उपज प्राप्त करने के लिए अन्य महत्व पूर्ण प्रोद्योगिकियों एवं तिलहन खेती उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु समन्वित कृषि प्रबंधन पर विस्तार पूर्वक जानकारियां प्रदान की गईं,उक्त कार्यक्रम में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों के द्वारा दस प्रदर्शनी भी लगाई गई थी,वहीं कृषकों को लंच पैकेट देकर कार्यक्रम का समापन किया गया,इस अवसर पर उप कृषि निदेशक सतेन्द्र तिवारी,मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,जिला कृषि अधिकारी,जिला उद्यान अधिकारी,इफको के क्षेत्रीय प्रबंधक व कृषि विज्ञान केन्द्र के समस्त।

सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन

रायपुर। सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम का उद्घाटन शनिवार को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित शानदार समारोह में किया गया। लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत, एवीएसएम, एसएम, जनरल ऑफिसर कमांडिंग मध्य भारत क्षेत्र, ब्रिगेडियर अमन आनंद, वीएसएम, कमांडर छत्तीसगढ़ और ओडिशा सब एरिया उपस्थित रहे। सिग्नल ट्रेनिंग जबलपुर के डेयरडेविल बाइक राइडर्स के शानदार प्रदर्शन, दंतेवाड़ा के एनसीसी कैडेट्स और छात्रों के घुड़सवारी प्रदर्शन और ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट सेंटर, 39 गोरखा रेजिमेंट सेंटर और 1 सिग्नल ट्रेनिंग सेंटर जबलपुर के पाइप और ब्रास बैंड के शानदार प्रदर्शन से 15000 से अधिक उपस्थित दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। शक्तिशाली एमआई–17 वी5 हेलीकाप्टर द्वारा फ्लाई पास्ट, 6ध्11 गोरखा राइफल्स, 1 असम और 50 (आई) पैरा ब्रिगेड के घातक प्लाटून द्वारा रैड का डेमो और ड्रोन के प्रदर्शन ने दर्शकों में बहुत विस्मय और उत्साह पैदा किया। टी–90 टैंक (भीष्म), इंफेंटरी कोम्बेट वाहन, एएडी बंदूकें और इंफेंटरी और विशेष बलों के हथियार और कई अन्य उपकरण सार्वजनिक देखने के लिए प्रदर्शित किए गए। इन हथियारों और उपकरणों की प्रदर्शनी ने हजारों दर्शकों को आकर्षित और रोमांचित किया। जनसंपर्क अधिकारी रक्षा मंत्रालय प्रयागराज रेंज समीर गंगा खेड़कर ने बताया कि आउटरीच कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करना, भारतीय सेना की शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन करना, लोगों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति को बढ़ावा देना और नागरिक–सैन्य सम्बन्धों को मजबूत करना है। राज्य के छात्रों को प्रेरित करने और सहायता करने के लिए, एआरओ रायपुर और एनसीसी ग्रुप मुख्यालय छत्तीसगढ़ ने भी स्टाल लगाए थे, जिन्होने युवाओं में काफी आकर्षण और रुचि पैदा की। राज्य सैनिक बोर्ड छत्तीसगढ़ ने राज्य के पूर्व सैनिकों की सहायता के लिए भी एक स्टाल लगाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ में आयोजन के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया और राज्य के युवाओं को रक्षा सेवाओं में शामिल होकर राष्ट्र की सेवा करने के लिए उत्साहित किया। उन्होने जीओसी एमबी एरिया से हर साल छत्तीसगढ़ में सशस्त्र बल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने का आग्रह किया। लेफ्टिनेंट जनरल पदम सिंह शेखावत, जीओसी मध्य भारत क्षेत्र ने भारतीय सेना को कार्यक्रम आयोजित करने का अवसर देने और नागरिक प्रशासन द्वारा कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर आयोजित करने के लिए सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। समारोह के दौरान माननीय मुख्यमंत्री और जीओसी मध्य भारत क्षेत्र के बीच स्मृति चिन्हों का आदान–प्रदान भी किया गया। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर कार्यक्रम को एक दिन और बढ़ा दिया गया है। राज्य के अधिकतम युवाओं और जनता को इसमें शामिल होने की सुविधा प्रदान करने के लिए अब यह आयोजन अगले दो दिनों तक जारी रहेगा।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062